हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
बुधवार, 30 जनवरी 2019, कानपुर, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, बांदा-चित्रकूट संस्करण
www.livehindustan.com
वर्ष 10, अंक 32, 16 पेज

हवा से चलती बाइक, गांधी जी के चरखे से बिजली उत्पादन

बांदा | दिनेश शर्मा

राजकीय मेडिकल कॉलेज में आयोजित किए जा रहे इन्नोवेशन एण्ड स्टार्ट- अप समिट में आए इनोवेटरों के वैज्ञानिक माडल कौतूहल का विषय तो बने ही हैं। इसके साथ ही युवाओं के लिए एक नई प्रेरणा देने का काम कर रहे हैं। इन नई तकनीकों को अपना कर युवा अपने हौसलों को उड़ान भर सकता है। लखनऊ से आए ज्ञानेन्द्र यादव की हवा से चलती बाइक जहां लोगों को आश्चर्यचकित कर रही है। वहीं बनारस से आए ज्याउर्रहमान का माडल चरखा से बिजली उत्पादन लोगों के लिए आर्कषण का केन्द्र बना हुआ है।

एसएमएस लखनऊ से आए ज्ञानेन्द्र यादव ने एक्सपो में हवा से चलती बाइक का माडल सजा रखा है लोग अनायास ही इसकी तरफ खिचते चले आते हैं। आखिर इस बाइक में खासियत भी तो भरी पड़ी है। इस बाइक की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह मात्र हवा से चलती है। ज्ञानेन्द्र ने बताया कि बाइक में कम्प्रेस्ड करके एक सिलेण्डर में हवा भरते हैं। यह एसएमएस निदेशक डॉ. भरत राज सिंह की खोज है। यह बाइक 5 रुपए की हवा में 30 किमी की रफ्तार से 40 किमी तक का सफर तय कर सकती है।बनारस से आए 12 वीं पास नन्हें वैज्ञानिक ज्याउर्रहमान और इनके सहयोगी सलमान का चरखा भी आर्कषण है। ज्याउर्रहमान का दावा है कि गांधी जी के चरखे में वैज्ञानिक प्रयोग कर इससे बिजली उत्पादन किया जाता है। चरखे में मैंने विज्ञान का प्रयोग करके इसे धागा कातने के साथ साथ बिजली का उत्पादन भी किया जाता है। इस मॉडल के लिए बिगत वर्ष अक्टूबर 2018 में लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उन्हें 25 हजार की नकद राशि और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी कर चुके हैं।

बनारस से आए ज्याउर्रहमान के द्वारा दिखाया जा रहा बिजली उत्पादन करने वाला चरखा। ● हिन्दुस्तान

हवा से चलने वाली बाइक दिखाते लखनऊ से आए ज्ञानेन्द्र यादव। ● हिन्दुस्तान

3 घंटे की चार्जिंग 90 किमी का सफर तय करने वाली बैटरी चालित बाइक दिखाता प्रशांत कुमार। ● हिन्दुस्तान